ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, शुक्रवार 20 जून 2025
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

स्विस बैंकों में भारतीयों के 37,600 करोड़ जमाःये 2023 की तुलना में तीन गुना ज्यादा, क्या ये काला धन है?

24 न्यूज अपडेट
स्विस बैंकों में भारतीयों का जमा पैसा 2023 के मुकाबले 2024 में तीन गुना बढ़कर 3.5 अरब स्विस फ्रैंक हो गया है। भारतीय रुपए में ये रकम करीब 37,600 करोड़ रुपए होती है। SNB ने कल यानी 19 जून को ये आंकड़े जारी किए। ऐसे में कई लोगों के मन में सवाल है कि आखिर ये पैसा कहां से आया? क्या ये काला धन है?

स्विस बैंकों में भारतीयों का पैसा कितना बढ़ा है?

2024 में स्विस बैंकों में भारतीयों का जमा पैसा 3.5 अरब स्विस फ्रैंक, यानी करीब 37,600 करोड़ रुपए हो गया है। ये 2023 की तुलना में तीन गुना ज्यादा है। तब ये रकम सिर्फ 1.04 अरब स्विस फ्रैंक (करीब 11,000 करोड़) थी। ये 2021 के बाद सबसे ज्यादा रकम है, तब ये 3.83 अरब स्विस फ्रैंक (करीब 41 हजार करोड़) थी।

ये पैसा आखिर किसका है और कहां से आया?

ये पैसा भारतीय व्यक्तियों और कंपनियों का है, जो स्विस बैंकों में जमा है, लेकिन ज्यादातर बढ़ोतरी बैंकों और वित्तीय संस्थानों के जरिए आए फंड्स की वजह से हुई है।
व्यक्तिगत ग्राहकों के खातों में जमा राशि सिर्फ 11% बढ़ी है, जो करीब 346 मिलियन स्विस फ्रैंक, यानी करीब 3,675 करोड़ रुपए है। यानी कुल रकम का सिर्फ 10वां हिस्सा ही व्यक्तिगत खातों से है। बाकी पैसा बैंकों, वित्तीय संस्थानों, बॉन्ड्स और सिक्योरिटीज जैसे रास्तों से आया है।

भारतीय बैंक स्विस बैंकों में पैसा क्यों जमा करते हैं?

इसके 4 बड़े कारण है... अंतरराष्ट्रीय कारोबार और लेन-देन आसान हो।
बॉन्ड्स, सिक्योरिटीज में निवेश से बेहतर रिटर्न मिले।
स्विट्जरलैंड के स्थिर और सुरक्षित बैंकिंग सिस्टम का फायदा।
विदेशी मुद्रा प्रबंधन और ग्लोबल फाइनेंशियल सिस्टम में हिस्सेदारी।

क्या ये सारा पैसा काला धन है?

नहीं, स्विस अधिकारियों और भारतीय सरकार ने साफ किया है कि स्विस बैंकों में जमा सारा पैसा काला धन नहीं माना जा सकता। ये आंकड़े स्विस नेशनल बैंक (SNB) के आधिकारिक रिकॉर्ड से हैं, जो बैंकों की देनदारियों (लाइबिलिटीज) को दिखाते हैं। इसमें वो पैसा शामिल नहीं है, जो भारतीय, NRI या अन्य लोग तीसरे देशों की कंपनियों के नाम पर जमा करते हैं। स्विस अधिकारी कहते हैं कि वो भारत के साथ टैक्स चोरी और धोखाधड़ी के खिलाफ लड़ाई में सहयोग करते हैं।

तो फिर इतनी बड़ी रकम स्विस बैंकों में क्यों जमा हो रही है?

इसका बड़ा कारण है वित्तीय संस्थानों और स्थानीय शाखाओं के जरिए फंड्स का मूवमेंट। 2024 में इसमें भारी उछाल आया, खासकर बॉन्ड्स, सिक्योरिटीज के जरिए। 2023 में ये रकम 70% गिरकर चार साल के निचले स्तर पर थी, लेकिन अब इसमें रिकवरी हुई है। ये पैसा ज्यादातर कारोबारी या संस्थागत निवेश से जुड़ा हो सकता है, न कि सिर्फ व्यक्तिगत बचत से।

क्या सरकार काले धन को लेकर कोई कदम उठा रही है?

हां, भारत और स्विट्जरलैंड के बीच 2018 से वित्तीय जानकारी साझा करने का समझौता है। इसके तहत स्विस बैंकों में भारतीयों के खातों की जानकारी हर साल भारत को दी जाती है। 2019 और 2020 में भी ऐसी जानकारी साझा की गई थी।
भारतीय सरकार समय-समय पर स्विस अधिकारियों से डिटेल्स मांगती रहती है, ताकि ये सुनिश्चित हो सके कि कोई टैक्स चोरी या अवैध फंड तो नहीं जमा हो रहा।

क्या स्विस बैंक में पैसा बढ़ना चिंता की बात है?

ज्यादा चिंता की बात नहीं है। स्विस बैंकों में पैसा जमा होना अपने आप में गलत नहीं है। ये वैध कारोबारी निवेश, विदेशी व्यापार या वित्तीय संस्थानों की गतिविधियों का हिस्सा हो सकता है। लेकिन अगर कुछ पैसा अवैध तरीके से जमा किया गया है, तो उसकी जांच होनी चाहिए।
अमेरिका में उद्योगपति गौतम अडाणी समेत 8 लोगों पर अरबों रुपए की धोखाधड़ी के आरोप लगे हैं। यूनाइटेड स्टेट्स अटॉर्नी ऑफिस का कहना है कि अडाणी ने भारत में सोलर एनर्जी से जुड़ा कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को 265 मिलियन डॉलर (करीब 2200 करोड़ रुपए) की रिश्वत दी या देने की योजना बना रहे थे।
यह पूरा मामला अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड और एक अन्य फर्म से जुड़ा हुआ है। 24 अक्टूबर 2024 को न्यूयॉर्क की फेडरल कोर्ट में यह केस दर्ज हुआ था। बुधवार को इसकी सुनवाई में गौतम अडाणी, उनके भतीजे सागर अडाणी, विनीत एस जैन, रंजीत गुप्ता, साइरिल कैबेनिस, सौरभ अग्रवाल, दीपक मल्होत्रा और रूपेश अग्रवाल को आरोपी बनाया गया है।

अवध असम एक्सप्रेस ने रेलवे ट्रॉली को उड़ाया,1 की मौतःकटिहार में हादसा, 3 कर्मचारियों की हालत गंभीर

24 न्यूज अपडेट
कटिहार में शुक्रवार को अवध असम एक्सप्रेस (15910) ट्रेन ने रेलवे ट्रॉली को टक्कर मार दी। हादसे में ट्रॉली पर काम कर रहे एक ट्रॉलीमैन की मौत हो गई है। इस हादसे में 3 गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा सोनपुर रेल डिवीजन की है। कटिहार बरौनी रेल खंड के काढागोला और सेमापुर के बीच महारानी गांव के पास हादसा हुआ है। ट्रेन बरौनी से कटिहार डाउन लाइन पर आ रही थी।
बताया जा रहा है कि रेलवे ट्रॉली पर 4 कर्मचारी ट्रैक का काम देख रहे थे। तभी पीछे से अवध असम एक्सप्रेस आ गई। ट्रेन ने ट्रॉली को टक्कर मार दी। हादसे के बाद ट्रेन कटिहार जंक्शन में एक घंटे से ज्यादा देर तक खड़ी रही। 3.20 में ट्रेन वहां से रवाना हुई। इसके बाद उसे रवाना कर दिया गया है। रेलवे ट्रॉली को ट्रैक से हटाया गया है।

एअर इंडिया की आज 9 फ्लाइट्स कैंसिलःवजह ऑपरेशन और मेंटेनेंस; अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद 9 दिन में 84 उड़ानें रद्द

24 न्यूज अपडेट
एअर इंडिया ने शुक्रवार को 9 फ्लाइट्स कैंसिल कर दी हैं। इनमें 4 इंटरनेशनल और 5 डोमेस्टिक हैं। एअर इंडिया ने बताया कि एयरपोर्ट पर मेंटेनेंस और ऑपरेशनल वजहों से इन उड़ानों को रद्द किया गया है।
डोमेस्टिक फ्लाइट्स में पुणे से दिल्ली जा रही फ्लाइट AI874, अहमदाबाद से दिल्ली की फ्लाइट AI456, हैदराबाद से मुंबई की फ्लाइट AI2872 और चेन्नई से मुंबई की फ्लाइट AI571 कैंसिल हुई हैं।
वहीं, इंटरनेशनल फ्लाइट्स में दुबई से चेन्नई आ रही फ्लाइट AI906, दिल्ली से मेलबर्न जा रही फ्लाइट AI308, मेलबर्न से दिल्ली आ रही फ्लाइट AI309 और दुबई से हैदराबाद आ रही फ्लाइट AI2204 शामिल हैं। वहीं, दिल्ली से पुणे जा रही फ्लाइट से पक्षी टकराया गया, जिसके चलते विमान की रिटर्न जर्नी कैंसिल कर दी गई है।
इस तरह अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद 9 दिन में अलग-अलग वजह से अब तक 84 उड़ानें रद्द की गई हैं। 12 जून को हुए प्लेन क्रैश हादसे में 270 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद से हर एयरपोर्ट पर विमानों की ऑपरेशनल चेकिंग को सख्त कर दिया गया है।

भारत में विमानों की सुरक्षा के लिए बजट बहुत कमःहादसों की जांच और सिक्योरिटी एजेंसी को सालभर में सिर्फ 35 करोड़ मिले

24 न्यूज अपडेट
अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे के बाद संसदीय समिति की तरफ से पेश की गई एक रिपोर्ट चर्चा में आ गई है। मार्च में राज्यसभा में पेश की गई इस रिपोर्ट में बताया गया था कि विमान हादसों की जांच और एविएशन सुरक्षा के लिए फंडिंग में गड़बड़ियां हैं।
इंडिया टुडे के मुताबिक, टूरिज्म, ट्रांसपोर्ट और कल्चर मिनिस्ट्री की संसदीय स्थायी कमेटी की रिपोर्ट में कहा गया कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एविएशन मार्केट है, लेकिन सिक्योरिटी इन्फ्रास्ट्रक्चर और विमान हादसों की जांच के लिए सिर्फ 35 करोड़ रुपए का फंड आवंटित किया गया है, जो काफी नहीं है। रिपोर्ट ने एविएशन एजेंसियों को मिलने वाली फंडिंग पर सवाल उठाए थे
इस रिपोर्ट में कहा गया कि डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (DGCA), एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (AAIB) और ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (BCAS) को जो बजट मिल रहा है वो बहुत कम है और उसके आवंटन में भी खामियां हैं।
रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जहां DGCA को 30 करोड़ रुपए दिए गए, वहीं AAIB को सिर्फ 20 करोड़ रुपए और BCAS को केवल 15 करोड़ रुपए मिले।

समिति का सुझाव- AAIB और BCAS का बजट बढ़ाया जाए

समिति ने यह भी कहा कि भारत में एयरपोर्ट्स और यात्रियों की संख्या में तेजी से हो रहे इजाफे को देखते हुए AAIB और BCAS को ज्यादा बजट दिया जाना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया, वित्त वर्ष 2025-26 के बजट खर्च में प्रमुख एविएशन एजेंसियों के बीच फंड बांटे जाने में फर्क साफ नजर आता है।
रिपोर्ट के मुताबिक, एविएशन नियमों के अनुपालन और एयरलाइन्स की निगरानी की जिम्मेदारी वाले DGCA को कुल बजट का लगभग आधा हिस्सा यानी 30 करोड़ रुपए दिए गए हैं। इसे लेकर समिति ने सुझाव दिया कि इस फंड अलॉटमेंट की गहराई से समीक्षा होनी चाहिए।
रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि जहां नियमों का पालन सही तरीके से हो, इसके लिए फंड देना जरूरी है। लेकिन, ये भी ध्यान रखना चाहिए कि एविएशन इन्फ्रास्ट्रक्चर का तेजी से फैलाव हो रहा है। 2014 में 74 हवाई अड्डों से बढ़कर 2022 में 147 और 2024-25 तक 220 हवाई अड्डों का लक्ष्य रखा गया है। ऐसे में सुरक्षा और जांच संसाधनों में भी इजाफा किया जाना जरूरी है।

देश में 24 घंटे में कोरोना से 4 मौतें 5608 एक्टिव केस; ICMR-NIV डायरेक्टर बोले- सिंगापुर का निम्बस वैरिएंट भारत में फैल रहा

24 न्यूज अपडेट
देश में बीते 24 घंटे में कोरोना से 4 मौतें हुई हैं। दिल्ली, केरल, महाराष्ट्र और पंजाब में एक-एक मरीज ने जान गंवाई है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, जनवरी 2025 में अब तक नए वैरिएंट से 120 की मौत हुई है। देशभर में कोरोना के 5608 एक्टिव केस हैं। गुरुवार को 64 नए केस सामने आए हैं। वहीं 368 मरीज रिकवर हुए हैं। बीते एक हफ्ते से हर दिन कोरोना के 100 से कम नए केस दर्ज हो रहे हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1184 एक्टिव मामले हैं।
ICMR-NIV (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी) के डायरेक्टर डॉ. नवीन कुमार कहा- सिंगापुर में फैल रहे निम्बस (NB.1.8.1) वैरिएंट के केस भारत में भी सामने आ रहे हैं। बीते 5-6 हफ्तों में इन केसों की संख्या तेजी से बढ़ी है। हमने टेस्टिंग बढ़ा दी है। इस वैरिएंट में फिलहाल ओमिक्रॉन जैसे लक्षण देखने को मिल रहे हैं।

आधार e-KYC नहीं तो अटक सकते हैं पीएम-किसान के पैसेःजल्द जारी होगी 20वीं किस्त

24 न्यूज अपडेट
पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त जून के आखिरी हफ्ते या जुलाई की शुरुआत में आपके खाते में आ सकती है। लेकिन इस बार सरकार ने साफ कर दिया है कि जिन किसानों ने आधार e-KYC नहीं की है, उनका पैसा अटक सकता है। ऐसे में 6 स्टेप्स में जानिए कैसे घर बैठे कर सकते हैं कर सकते हैं....

आधार e-KYC क्यों जरूरी?

सरकार चाहती है कि असली और पात्र किसानों को ही पीएम किसान सम्मान निधि योजना लाभ मिले, फर्जीवाड़ा रोकने के लिए आधार e-kyc अनिवार्य कर दी गई है। बिना e-kyc के आपका नाम लाभार्थी लिस्ट से कट सकता है और किस्त का पैसा अटक सकता है।

मोबाइल से घर बैठे ई-केवाईसी करने के 5 स्टेप्स

पीएम किसान की वेबसाइट (pmkisan.gov.in) या मोबाइल ऐप खोलें।
यहां 'e-KYC' ऑप्शन पर क्लिक करें।
अपना आधार नंबर डालें।
आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर आए ओटीपी को डालें।
वेरिफिकेशन होते ही ई-केवाईसी पूरी।
मोबाइल से नहीं होने पर
अगर मोबाइल से नहीं हो रहा, तो नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) या राज्य सेवा केंद्र जाएं।
वहां फिंगरप्रिंट से ई-केवाईसी करवा सकते हैं।
ई-केवाईसी होते ही 24 घंटे में स्टेटस अपडेट हो जाएगा।
24 फरवरी को जारी हुई थी 19वीं किस्त
इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 फरवरी को पीएम-किसान योजना की 19वीं किस्त जारी की थी। इसके तहत 9.8 करोड़ किसानों के बैंक खातों में 22,000 करोड़ रुपए की राशि ट्रांसफर की गई थी।

सोना आज 570 गिरकर 98,691 पर आयाःचांदी भी 608 सस्ती हुई, 1.06 लाख प्रति किलो बिक रही; गोल्ड इस साल अब तक 22,529 महंगा हुआ

24 न्यूज अपडेट
सोने-चांदी के दाम में आज यानी 20 जून को गिरावट देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 570 गिरकर 98,691 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले सोना 99,261 पर था।
वहीं चांदी की कीमत 608 गिरकर 1,06,775 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले ये 1,07,383 पर बंद हुई थी। वहीं 18 जून को चांदी 1,09,550 पर ओपन हुई थी। ये इसका इसका ऑल टाइम हाई था। वहीं सोने ने 16 जून को 99,373 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

सेंसेक्स 1046 अंक ऊपर 82,408 पर बंदःनिफ्टी 319 अंक चढ़कर 25,100 के पार; बैंकिंग-रियल्टी शेयर्स में ज्यादा खरीदारी

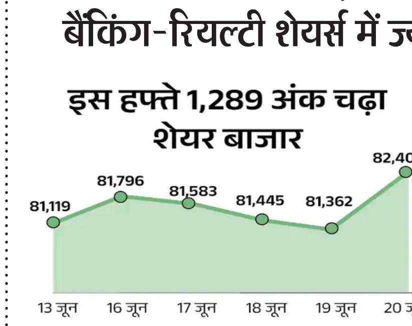

24 न्यूज अपडेट
हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी शुक्रवार, 20 मई को सेंसेक्स 1046 अंक चढ़कर 82,408 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 319 अंक की तेजी रही, ये 25,112 पर बंद हुआ।
सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 27 में तेजी और 3 में गिरावट रही। एयरटेल, नेस्ले, M&M के शेयरों में 3.2% तक की तेजी रही। मारुति, अल्ट्राटेक सीमेंट और एक्सिस बैंक में गिरावट रही।
निफ्टी के 50 में से 44 शेयर्स चढ़कर बंद हुए। NSE के रियल्टी सेक्टर में सबसे ज्यादा 2.11% की तेजी रही। हेल्थकेयर, बैंकिंग, IT, मेटल, मीडिया, फार्मा इंडेक्स 1.6% तक चढ़ा।

अपनी क्षेत्र से सम्बन्धित समाचार हमारी मेल आई पर भेजें
desk24newsupdate@gmail.com

संपादकीय : मनमाना रवैया

राजमार्गों के जाल और साथ ही बढ़ते टोल नाके । इन टोल नाकों पर फास्टैग प्रणाली का समूचा ढांचा संचालन की खामियों के कारण सवालों के घेरे में है। सरकार ने फास्टैग आधारित तीन हजार रुपए वाले वार्षिक पास की योजना का एलान किया है और दावा किया है कि इससे कई तरह के झंझटों से लोगों को मुक्ति मिल जाएगी पास में पूरे साल टोल टैक्स देने की जरूरत नहीं है, लेकिन शर्तें भी लगाई गई हैं। इस योजना के तहत एक साल में दो सौ चक्कर लगा सकते हैं। यह योजना अभी सिर्फ राष्ट्रीय राजमार्गों एवं पूर्वोत्तर के टोल प्लाजा मान्य होगी। राज्य मार्गों के अंतर्गत आने वाले टोल पर यह नया पास नहीं चलेगा। यह केंद्र सरकार की योजना है और इसमें राज्यों को जोड़ने की कवायद दुरुह है। इसके लिए ढांचा तैयार करना आसान नहीं होगा। यह तो नई योजना की बात हुई। दरअसल, फास्टै परी प्रणाली को लेकर ही उपभोक्ताओं की ढेरों हैं। उन शिकायतों की न तो कहीं सुनवाई हो रही है। न ही किसी स्तर पर चीजें ठीक करने की कोशिश दिख रही है। आम उपभोक्ता खामियाजा भुगत रहा है के पूरे तंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही का घोर अभाव दिखता है। इसके लिए कोई विनियमन नहीं है, न कोई नियामक देश में 39 बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को फास्टैग जारी करने का अधिकार दिया गया है। क्या ये लोग अपनी जिम्मेदारी निभा पा रहे हैं। जब कोई उपभोक्ता अपनी समस्या लेकर बैंक के पास जाता है। तो उसे यह कहकर टाल दिया जाता है कि काम 'तीसरी पार्टी' के पास है । अब उपभोक्ता तीसरी पार्टी को कहां ढूंढने जाए खराब हुआ फास्टैग स्टीकर, खाते में बार-बार राशि कट जाना, दोगुना टोल भुगतान की गड़बड़ी इस तरह की खामियों की आखिर कौन लेगा जिम्मेदारी कैसे उपभोक्ता को अपनी परेशाि से निजात मिलेगी। सरकार के टोल संग्रह के आंक बढ़ोतरी हो रही है । यह अच्छी बात है, लेकिन बढ़िया सेवा की उम्मीद तो उपभोक्ता करेगा ही। इसमें दो राय नहीं कि ढांचा अच्छा है। इससे किसी को इनकार नहीं हो सकता। लेकिन खामियां भी हैं, जिनसे आम उपभोक्ता परेशान हो रहा है। इस योजना का लाभ तभी मिल सकता है, जब सड़कें दुरुस्त लोगों को अपनी यात्रा में किसी प्रकार की कोई दिक्कत न आए। लेकिन हैरत की बात है कि फास्टैग प्रणाली से पांच हजार करोड़ का राजस्व जमा करने वाली कंपनी का कोई ऐसा दफ्तर नहीं, जहां कोई उपभोक्ता पह सके और अपनी बात रख सके। टोल नाकों पर लोग दिखते हैं, लेकिन वे उपभोक्ताओं के प्रति कितने जिम्मेदार होते हैं इसको लेकर सवाल हैं। उन लोगों लिए जटिलता और बढ़ जाती है, जो पहली बार ले रहे हैं या जिन्हें इसकी प्रक्रिया के बारे में सटीक जानकारी नहीं है । अनधिकृत विक्रेता आसानी से अपने चंगुल में फांस लेते हैं। इस तरह के लोगों पर अंकुश कैसे लगे । राजमार्गों का चमचमाता तंत्र विकसित करना ही पर्याप्त नहीं है। राजमार्गों की व्यवस्था तभी मजबूत कही जाएगी, जब इस्तेमाल के लिए सुचारु व्यवस्था होगी, मजबूत तंत्र खड़ा किया जाएगा और उपभोक को अपनी यात्रा में कोई दिक्कत नहीं होगी ।

अमानवीयता की हद

युद्ध के उन्माद में संवेदना खत्म हो रही है । इजराइल व ईरान एक-दूसरे के पर हमला करने में अमानवीयता सारी हदें लांघ रहे हैं। ईरान ने समूची नैतिकता को ताक पर रखते हुए इजराइल के मुख्य अस्पताल को निशाना बनाया है। ज्यादा दिन नहीं हुए जब इजराइल ने युद्ध के सभी नियमों को ताक पर रख कर दक्षिणी गाजा के सबसे बड़े अस्पताल पर हमला कर कई लोगों को जख्मी कर दिया था। युद्ध की आग में गाजा को लगातार झुलसाने वाले इस देश को गुरुवार तड़के ठीक उन्हीं परिस्थितियों का सामना करना | कोई दो राय नहीं कि युद्ध हमेशा विनाश की जाता है। दो देशों के बीच प्रतिशोध की आग बेकसूर नागरिकों को ही झुलसाती है दुनिया ने यह दृश् बार देखा है। सैन्य हमले के दौरान इजराइल ने कभी देखा कि वह शरणार्थी शिविरों पर बम गिरा रहा है या अस्पतालों पर । नागरिक ठिकानों पर कितनी मौतें होंगी और बच्चों - महिलाओं तथा बुजुर्गों पर क्या गुजरेगी। उसे कभी मानवीय संवेदना की परवाह नहीं रही। दूसरी ओर इजराइल के भीषण हमले के जवाब में ईरान की कार्रवाई से साबित हो गया कि वह भी उतना ही असंवेदनशील है। दक्षिणी इजराइल के मुख्य अस्पताल को निशाना बना कर उसने स्पष्ट कर दिया कि वह भी युद्ध नियमों को नहीं मानता। कुछ मिसाइलें इमारतों पर गिरीं, जिससे कई नागरिक घायल हो गए। ईरान के परमाणु कार्यक्रमों को अपने अस्ति लिए खतरा बता कर इजराइल ने जिस तरह से उसके साथ युद्ध छेड़ा है, इसके नतीजे बेहद गंभीर हो हैं दुनिया के बड़े हिस्से में इसका असर दिख सक ईरान की इस चेतावनी को गंभीरता से लेने की जरूरत है। कि अगर अमेरिका युद्ध में कूदा तो भीषण तबाही तेहरान खाली करने की अमेरिकी राष्ट्रपति की और ईरानी नेतृत्व के बयान से लगता है कि इजराइल के साथ उसका सैन्य टकराव तीक्ष्ण रूप से बढ़ेगा । स्वाभाविक है कि इस युद्ध के जख्म गहरे होंगे। कीमत वे नागरिक ही चुकाएंगे, जिनका युद्ध से संबंध नहीं । न जाने कितने बच्चे अनाथ होंगे।

क्या उदयपुर बना रहा है अवैध कारोबार का अड्डा? कृषि मंत्री ने उगली SSP खाद में मिलावट की सच्चाई, तो क्या कर रहे थे विभागीय अधिकारी और प्रशासन?

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 20 जून। राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा जब खुद मैदान में उतरकर उदयपुर की खाद फैक्ट्रियों पर छापे डालने पहुंचे और मिलावट की परतें उघाड़ीं, तो एक बड़ा सवाल खड़ा हुआ — क्या विभागीय अधिकारी और जिला प्रशासन आंखें मूंदे बैठे थे? क्या यह माना जाए कि यदि मंत्री खुद जांच न करें, तो मिलावटी खाद चुपचाप किसानों के खेतों में पहुंचती रहे? कृषि मंत्री की टीम ने दो दिनों में उमरड़ा और मावली क्षेत्र की करीब सात फैक्ट्रियों पर जांच की, जिनमें घटिया SSP खाद, सल्फ्यूरिक एसिड की खराब क्वालिटी और मानकों से कम कंटेंट पाए गए। गुरुवार को जहां पांच फैक्ट्रियों की जांच हुई, वहीं शुक्रवार को खेमली और अरावली फॉस्फेट लिमिटेड में सैंपलिंग और दस्तावेज जांच की गई।

विभाग क्या कर रहा था इतने समय से?

यदि मंत्री को खुद मैदान में उतरना पड़े, तो यह प्रदेश के खाद्य और उर्वरक निरीक्षण तंत्र की संभावित निष्क्रियता या मिलीभगत की ओर इशारा करता है। वर्षों से खाद फैक्ट्रियों में घटिया उत्पादन हो रहा था, लेकिन स्थानीय कृषि अधिकारी, खाद निरीक्षक, उर्वरक कंट्रोल यूनिट और जिला प्रशासन क्या कर रहा था? क्या उदयपुर बनता जा रहा है अवैध कारोबारियों का गढ़? यह कोई पहला मामला नहीं है जब उदयपुर की पहचान को किसी अवैध धंधे ने धूमिल किया हो। ड्रग्स तस्करी के बड़े रैकेट पकड़े जा चुके हैं। भू-माफिया खुलेआम सरकारी और वन भूमि पर कब्जा कर रहे हैं। झीलों के किनारे अतिक्रमण और निर्माण जारी हैं। पहाड़ों की अवैध कटाई से पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ रहा है। और अब खाद में मिलावट जैसे मामलों से किसानों की रीढ़ पर वार हो रहा है। क्या उदयपुर अब दो नंबर के धंधों, दलालों, माफियाओं और भ्रष्ट गठजोड़ का केंद्र बनता जा रहा है?

मंत्री ने मचाई हलचल, लेकिन जवाबदेही अब तय होनी चाहिए

डॉ. मीणा ने गुरुवार को साफ कहा था कि "पत्थर गलते नहीं, घटिया सल्फ्यूरिक एसिड डाला जाता है। यह SSP खाद किसानों के किसी काम की नहीं।" जब यह सब सरेआम हो रहा था, तो कृषि विभाग की स्थानीय यूनिट, उर्वरक लाइसेंसिंग अथॉरिटी, और डीएम, एसडीएम जैसे अधिकारी क्या कर रहे थे?

अब चाहिए जवाबदेही, सिर्फ कार्रवाई नहीं

जांच के सैंपल रिपोर्ट आने के बाद दोषी फैक्ट्रियों पर कार्रवाई होना जरूरी है, लेकिन उतना ही जरूरी है कि इस पूरे नेटवर्क को संरक्षण देने वाले अधिकारियों की भी जांच हो। यदि खाद में मिलावट हो रही थी, तो वह सिर्फ फैक्ट्री की गलती नहीं, बल्कि एक पूरा सिस्टम फेल हुआ है - जो या तो नकारा है, या समझौता कर चुका है।

मुख्य सवाल जो उठते हैं

विभागीय अधिकारी कब से इस मिलावट को नजरअंदाज कर रहे थे? क्या मंत्री के दौरे के बिना ये जांच संभव नहीं थी? जिले में खाद, ड्रग्स, भू-माफिया, झील माफिया - हर दिशा में क्यों फल-फूल रहा है अपराध? क्या उदयपुर की प्रतिष्ठा अब भ्रष्ट और अवैध गठबंधनों की गिरफ्त में है?

सलूंबर हादसा : तेज रफ्तार ट्रक ने 5 वाहनों को मारी टक्कर, 3 की मौत, 10 घायल

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, सलूंबर। सलूंबर क्षेत्र में शुक्रवार शाम एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। लसाड़िया थाना क्षेत्र के बांसी मायदा घाट सेक्शन में लोहे के सरियों से भरे एक ट्रक ने बेकाबू होकर एक के बाद एक पांच गाड़ियों को टक्कर मार दी। हादसे में 3 लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि 10 लोग घायल हो गए।

हादसे का कारण : ढलान पर ट्रैक्टर पलटना और ट्रैफिक जाम जानकारी के मुताबिक, मायदा घाट की ढलान पर एक सीमेंट से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई थी। उसे हटाने के लिए मौके पर जेसीबी बुलाई गई थी, जिससे बांसी-धरियावद मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। इसी दौरान पीछे से आ रहे लोहे से भरे ट्रक का बैलेंस बिगड़ गया और उसने आगे खड़ी कार, ट्रैक्टर, बाइक सहित पांच वाहनों को टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर से एक ट्रैक्टर भी पलट गया, जिससे उसमें भरे सीमेंट के कट्टे सड़क पर बिखर गए। दुर्घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। घायलों को एंबुलेंस से लसाड़िया के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, वहीं मृतकों के शवों को मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। मृतकों की अभी तक शिनाख्त नहीं हो सकी है।

प्रशासन मौके पर पहुंचा

हादसे की सूचना मिलते ही लसाड़िया थाना पुलिस, पूर्व प्रधान कन्हैयालाल मीणा, धरियावद एसडीएम राकेश कुमार न्यौल, डीएसपी नानालाल सालवी सहित कई अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। बता दें, मायदा घाट की यह ढलान क्षेत्र में कुख्यात है। एक दिन पहले भी इसी स्थान पर एक ट्रेलर पलट गया था, जिसमें चालक की मौत हो गई थी। ग्रामीण इस खतरनाक ढलान के सुधार की कई बार मांग कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

भीलवाड़ा के यक्षणी माता मंदिर में बड़ी चोरी, चोर चांदी के छत्र, मुकुट और दानपेटी की नकदी ले उड़े

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा (मांडल)। जिले के मांडल कस्बे की ऐतिहासिक धरोहर यक्षणी माता मंदिर में गुरुवार रात अज्ञात चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर मंदिर के तीन ताले तोड़कर अंदर दाखिल हुए और माता की प्रतिमाओं पर लगे चांदी के दो मुकुट, छत्र और दानपेटी में रखी करीब 25 से 30 हजार रुपये की नकदी चुरा ले गए। चोर मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर भी साथ ले गए ताकि उनकी पहचान न हो सके। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों और मंदिर समिति में आक्रोश फैल गया।

पुजारी को सुबह मिली वारदात की जानकारी

शुक्रवार सुबह मंदिर के पुजारी भारमल माली जब प्रतिदिन की तरह आरती की तैयारी करने पहुंचे, तो उन्होंने मंदिर में ताले टूटे और सारा सामान बिखरा हुआ पाया। उन्होंने तुरंत इस घटना की सूचना मंदिर समिति अध्यक्ष बिहारीलाल सारस्वत को दी। समिति ने तत्काल रात्रिकालीन गश्त में लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस को सूचना दी। अध्यक्ष बिहारीलाल सारस्वत के अनुसार, चोर सबसे पहले DVR रूम और मुख्य गेट के ताले तोड़कर अंदर घुसे। इसके बाद माता जी के गर्भगृह और दानपेटी के ताले भी तोड़ दिए गए। मंदिर से चांदी का छत्र, दो मुकुट, दानपात्र की नकदी, DVR मशीन और एक कैमरा चोरी हो गया। चोरों ने पूरे घटनाक्रम को पेशेवर तरीके से अंजाम दिया और CCTV फुटेज नष्ट करने के लिए DVR भी साथ ले गए।

श्रद्धालुओं और समिति में रोष

मंदिर में चोरी की सूचना फैलते ही श्रद्धालु, स्थानीय लोग और मंदिर समिति के सदस्य बड़ी संख्या में मंदिर परिसर में एकत्रित हो गए। लोगों ने मंदिर जैसी ऐतिहासिक और सार्वजनिक आस्था के केंद्र पर हुई चोरी को गंभीर सुरक्षा चूक बताया और रात्रि गश्त को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। समिति ने चोरों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मुआयना किया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल चोरों की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस का कहना है कि आस-पास के क्षेत्र की सीसीटीवी फुटेज, संदिग्ध गतिविधियों और पूर्व अपराधियों की जानकारी के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

झाड़ोल थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल लूट का आरोपी गिरफ्तार किया, लूटी गई मोटरसाइकिल बरामद

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। झाड़ोल थाना क्षेत्र में मोटरसाइकिल लूट की वारदात को अंजाम देने वाले एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लूटी गई मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। प्रकरण के अनुसार, प्रार्थी मीठालाल पुत्र केशुलाल निवासी चतरपुरा फला, खराड़ी, थाना झाड़ोल ने रिपोर्ट दी थी कि दिनांक 18 अप्रैल 2025 को दोपहर 2 बजे वह किसी आवश्यक कार्य से अपनी मोटरसाइकिल लेकर झाड़ोल जा रहा था। इस दौरान उंडावेला के पास पीछे से दो मोटरसाइकिल पर सवार युवक आए और उसे रोककर मारपीट कर उसकी मोटरसाइकिल लूट कर फरार हो गए। रिपोर्ट के आधार पर थाना झाड़ोल में प्रकरण संख्या 79/2025, धारा 309(6), 3(5) बीएनएस 2023 के अंतर्गत मामला दर्ज कर तत्काल अनुसंधान प्रारंभ किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक श्री योगेश गोयल के निर्देश पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती अंजना सुखवाल, वृताधिकारी श्री नेत्रपाल सिंह और थानाधिकारी श्री फेलीराम मीणा के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्यवाही करते हुए अभियुक्त ललित उर्फ ललिया पुत्र देवीलाल निवासी सरादीत, थाना बाघपुरा को प्रोडक्शन वारंट के जरिए गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार किया, जिसके बाद घटना में प्रयुक्त व लूटी गई मोटरसाइकिल को बरामद किया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

सेमलिया गांव में खेत के पास मिला 10 फीट लंबा मगरमच्छ, वन विभाग की टीम ने दो घंटे में पकड़ा, बस्सी डैम में छोड़ा

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़। जिले की गंगरार तहसील के सेमलिया गांव में मंगलवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब ग्रामीणों ने एक खेत के पास लगभग 10 फीट लंबा मगरमच्छ देखा। मगरमच्छ की मौजूदगी से क्षेत्र में भय का माहौल बन गया और लोग खेत के पास से दूर भागने लगे। ग्रामीणों ने तुरंत इस बारे में वन्यजीव प्रेमी मनीष तिवारी को सूचना दी, जिन्होंने मामले की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग को अवगत कराया। सूचना मिलते ही उपवन संरक्षक राहुल झांझरिया के निर्देशन में वन विभाग की टीम मौके के लिए रवाना हुई। साथ ही वन्यजीव प्रेमी पियूष कांबले और रामकुमार साहू भी मनीष तिवारी के साथ गांव पहुंचे। करीब दो घंटे की सतर्क और संयमित कोशिशों के बाद रेस्क्यू टीम ने मगरमच्छ को सुरक्षित रूप से पकड़ लिया। मनीष तिवारी ने बताया कि यह मगरमच्छ पूरी तरह वयस्क था, जिसकी लंबाई करीब 10 फीट और वजन लगभग 150 किलोग्राम रहा। प्राथमिक आकलन में माना जा रहा है कि यह मगरमच्छ पास की बेड़च नदी से भटककर खेत तक पहुंच गया होगा। खेत में कीचड़ और पानी होने के कारण वह वहीं ठहर गया। रेस्क्यू टीम ने मगरमच्छ को कोई नुकसान पहुंचाए बिना पकड़कर चित्तौड़गढ़ के बस्सी डैम में छोड़ दिया, जहां उसका प्राकृतिक वास है। इस ऑपरेशन में वन विभाग के कर्मचारी नाथू सिंह, भगवानलाल गायरी, शंकरलाल जाट और शंभूलाल तेली भी शामिल रहे, जिन्होंने पूरे धैर्य व सतर्कता के साथ कार्य किया। वन विभाग ने घटना के बाद ग्रामीणों से अपील की कि अगर इस प्रकार का कोई वन्यजीव नजर आए तो घबराएं नहीं, तुरंत विभाग को सूचना दें। विभाग ने स्पष्ट किया कि ऐसे जीव प्रायः किसी को नुकसान नहीं पहुंचाते, लेकिन यदि उन्हें खतरा महसूस हो तो वे आक्रामक हो सकते हैं। गांव के लोगों ने राहत की सांस ली कि समय रहते रेस्क्यू कर मगरमच्छ को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया, जिससे किसी जनहानि की आशंका नहीं रही।

नेशनल हाईवे 48 पर चलते ट्रेलर में लगी आग, पंखों से भरा ट्रक जलकर राख

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा। अजमेर-भीलवाड़ा नेशनल हाईवे 48 पर शुक्रवार तड़के बड़ा हादसा टल गया, जब संगम मिल क्षेत्र में एक ट्रेलर चलते-चलते धधक उठा। ट्रेलर में भारी मात्रा में पंखे लदे हुए थे और यह बेंगलुरु (कर्नाटक) से जम्मू (जम्मू-कश्मीर) की ओर जा रहा था। हादसे में ट्रेलर और उसमें भरा सारा माल पूरी तरह जलकर राख हो गया, हालांकि चालक की सतर्कता से किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। घटना रायला थाना क्षेत्र की है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, जैसे ही ट्रेलर संगम मिल क्षेत्र से गुजर रहा था, ड्राइवर को अचानक जलते हुए धुएं की बदबू आई और ट्रक से चिंगारियां निकलती दिखाई दीं। खतरा भांपते ही चालक ने तुरंत वाहन को सड़क किनारे रोका और खिड़की से कूदकर अपनी जान बचाई। कुछ ही पलों में पूरा ट्रेलर आग की लपटों में घिर गया। घटना स्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई और तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। सूचना के लगभग एक घंटे बाद दो दमकलें मौके पर पहुंचीं, जिन्होंने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक ट्रेलर और उसमें लदा कीमती माल जलकर पूरी तरह नष्ट हो चुका था। आग लगने से हाईवे पर दोनों ओर लंबा जाम लग गया, जिसे रायला पुलिस ने मौके पर पहुंचकर नियंत्रित किया और यातायात बहाल कराया। घटना के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वंदे "डबल इंजन" भारत : बुजुर्ग यात्री से मारपीट, भाजपा विधायक के समर्थकों पर आरोप

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, नेशनल डेस्क। वंदे भारत ट्रेन में बुजुर्ग यात्री से मारपीट, झांसी में BJP विधायक के समर्थकों पर लगे आरोप भोपाल/दिल्ली। वंदे भारत एक्सप्रेस में शुक्रवार को बड़ा विवाद हो गया। दिल्ली से भोपाल जा रही ट्रेन के एक्जीक्यूटिव कोच (E2) में झांसी स्टेशन पर एक बुजुर्ग यात्री राज प्रकाश के साथ 7–8 लोगों ने लात-घूंसे और चप्पलों से मारपीट की। इस हमले में उनकी नाक में फ्रैक्चर हो गया और वे खून से लथपथ हो गए। आरोप उत्तर प्रदेश के झांसी जिले की बबीना सीट से BJP विधायक राजीव सिंह के समर्थकों पर लगा है।

सीट बदलने से इंकार पर हुआ विवाद

प्राप्त जानकारी के अनुसार, विधायक राजीव सिंह पत्नी और बेटे के साथ कोच E-2 में सवार थे। विधायक की सीट नंबर 8 थी, जबकि उनकी पत्नी और बेटे की क्रमशः 50 और 51 नंबर सीटें थीं। वहीं, 49 नंबर विंडो सीट पर राज प्रकाश नामक यात्री बैठे थे। विधायक ने उनसे अपनी सीट बदलकर 8 नंबर पर जाने को कहा, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। इसी बात पर विवाद बढ़ गया।

झांसी स्टेशन पर कोच में घुसे लोग, की मारपीट

जैसे ही ट्रेन झांसी स्टेशन पर रुकी, 7-8 लोग कोच में चढ़े और 49 नंबर सीट पर बैठे राज प्रकाश पर टूट पड़े। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लात-घूंसे, चप्पल और हाथ जो भी मिला, उससे उन्हें पीटा गया। इस दौरान यात्री की नाक, मुंह और कान से खून बहने लगा। घटना के समय कोच में मौजूद अन्य यात्री, महिलाएं और बच्चे दहशत में आ गए।

पुलिस की मौजूदगी में हुई घटना

ट्रेन में सवार कई यात्रियों ने बताया कि 3–4 पुलिसकर्मी भी मौके पर मौजूद थे, लेकिन उन्होंने दखल नहीं दिया। घटना के बाद रेलवे पुलिस (जीआरपी) मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक हमलावर उतर चुके थे। यात्रियों ने इसे सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर चूक बताया।

विधायक बोले- "यात्री ने किया अशोभनीय व्यवहार"

भाजपा विधायक राजीव सिंह ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर बताया कि "सीट नंबर 49 और 52 पर बैठे यात्री पैर फैलाकर और खाना खाकर अशोभनीय व्यवहार कर रहे थे। मैंने शालीनता से बैठने को कहा, लेकिन उन्होंने बदतमीजी शुरू कर दी। मेरी पत्नी को आने-जाने में दिक्कत हो रही थी, इसलिए मैंने उन्हें टोका। बाद में मैं कोच की गैलरी में चला गया, तभी उन्होंने मुझसे बहस शुरू कर दी।" विधायक ने झांसी जीआरपी में दोनों यात्रियों के खिलाफ एनसीआर (गैर-संज्ञेय रिपोर्ट) दर्ज कराई है। एनसीआर में गंभीर कार्रवाई पुलिस तभी कर सकती है, जब कोर्ट से अनुमति मिले। घटना के प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि "करीब 15-20 लोग ट्रेन में चढ़े और बुजुर्ग को बुरी तरह पीटा। महिलाएं और बच्चे डर के मारे सहमे हुए थे। ऐसी घटना प्रीमियम ट्रेन में हुई है, तो आम ट्रेनों में यात्रियों का क्या होगा?"
घटना के वक्त ट्रेन में मौजूद कांग्रेस नेता व पूर्व मंत्री रामनिवास रावत ने सोशल मीडिया पर लिखा— "अगर वंदे भारत जैसी ट्रेन में यह स्थिति है, तो आम ट्रेनों में सुरक्षा की क्या गारंटी है? रेल मंत्री को इस मामले में तुरंत संज्ञान लेना चाहिए।"
कांग्रेस प्रवक्ता मुकेश नायक ने पीड़ित का वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया कि "बीजेपी विधायक के गुंडों ने बुजुर्ग यात्री को सिर्फ इसलिए पीटा क्योंकि उसने सीट बदलने से मना कर दिया। यह उत्तर प्रदेश में सुशासन नहीं, गुंडाराज है।"

पीड़ित बोले- "शिकायत करूंगा", लेकिन डरे हुए हैं

भोपाल स्टेशन पर जब पीड़ित राज प्रकाश से बात करने की कोशिश की, तो वे बोले— "मैं शिकायत कर रहा हूं, फिलहाल कुछ नहीं बोलना चाहता।" उनके चेहरे पर घबराहट और मानसिक तनाव साफ झलक रहा था।

पाली का 12 वर्षीय बच्चा डांट के डर से घर से निकला, 3 ट्रेनें बदल 1320 किलोमीटर दूर पानीपत पहुंचा, 5 दिन बाद घर लौटा तो मां गले लगकर फूट-फूटकर रोई

24 न्यूज अपडेट

पाली. राजस्थान के पाली जिले से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां 12 साल का एक बच्चा बिना बताए दोस्तों के साथ वाटरपार्क चला गया। देर रात तक घर नहीं लौटा, तो डांट के डर से भाग निकला। दो दिन में तीन ट्रेनें बदलकर 1320 किलोमीटर दूर हरियाणा के पानीपत जा पहुंचा। रास्ते में भूख से बेहोश हुआ, अजनबियों ने मदद की। पांच दिन बाद जब वह अपने परिवार से मिला, तो मां गले लगकर फूट-फूटकर रो पड़ी।

पाली से निकला, अहमदाबाद-मारवाड़ होते हुए पहुंचा पानीपत

पाली सदर थाना क्षेत्र का यह बच्चा 16 जून को अपने चार दोस्तों के साथ बिना बताए शहर के पुनायता रोड स्थित वाटरपार्क चला गया। जेब में पैसे पूरे नहीं थे, इसलिए पार्क में एंट्री नहीं मिल सकी। शाम तक भटकने के बाद बाकी दोस्त घर लौट गए, लेकिन यह बच्चा डर के मारे घर नहीं गया। वह 4 किलोमीटर पैदल चलकर पाली रेलवे स्टेशन पहुंचा और वहां खड़ी एक ट्रेन में चुपचाप सवार हो गया। उसके पास न टिकट था, न पैसा। पहले वह ट्रेन से 380 किलोमीटर दूर अहमदाबाद पहुंचा। वहां से दूसरी ट्रेन पकड़कर 340 किलोमीटर दूर मारवाड़ जंक्शन गया।
फिर तीसरी ट्रेन से 600 किलोमीटर सफर कर 18 जून को पानीपत (हरियाणा) पहुंचा।

भूख से बेहोश हुआ, अजनबियों ने की मदद

दो दिन से भूखा बच्चा पानीपत स्टेशन पर उतरा और पैदल चलने लगा। चलते-चलते वह एक जगह बेहोश होकर गिर गया। रास्ते से गुजर रही दो महिलाओं ने उसे उठाया, पानी पिलाया और खाना खिलाया। इसके बाद वह एक कोल्ड ड्रिंक ठेले पर पहुंचा और ठेलेवाले को अपने पिता का नंबर बताया। ठेलेवाले ने फोन कर बच्चे को उसके पिता से बात कराई और फिर स्थानीय पुलिस को सूचना दी। पानीपत पुलिस बच्चे को थाने ले गई। पाली पुलिस पहुंची पानीपत, मां ने देखकर गले लगा लिया पाली में बेटे की गुमशुदगी की रिपोर्ट 16 जून को ही सदर थाने में दर्ज कराई गई थी। जैसे ही पिता को बेटे का पता चला, उन्होंने तुरंत पाली पुलिस को सूचना दी। इसके बाद हेड कॉन्स्टेबल भूंडाराम, कांस्टेबल हेमेन्द्र सिंह और बच्चे के पिता 19 जून को पानीपत पहुंचे। पुलिस ने सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बच्चे को सुपुर्द किया। 20 जून की सुबह जब बच्चा पाली सदर थाने लाया गया, तो मां ने उसे देखते ही गले से लगा लिया और फूट-फूटकर रो पड़ी। दादा की आंखें भी भर आईं। उन्होंने पुलिस और समाजसेवी गजेंद्र सिंह मंडली का आभार जताया।

वनरक्षक पेपरलीक में सरकारी कर्मचारी गिरफ्तार:जोधपुर में वाणिज्य कर विभाग में UDC; परिवार में 10 से ज्यादा सरकारी नौकरी में, 11 दिन के रिमांड पर लिया

24 न्यूज अपडेट

स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने वनरक्षक भर्ती परीक्षा 2020 के पेपर लीक मामले में एक सरकारी कर्मचारी को बांसवाड़ा से गिरफ्तार किया है। टीम उसे जयपुर लेकर गई है।
जानकारी के अनुसार सरकारी कर्मचारी गोविंद तेतरवाल जोधपुर में वाणिज्य कर विभाग (सर्कल-E) में UDC के पद पर कार्यरत था। उसे शुक्रवार को बांसवाड़ा से गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। जहां से 11 दिन की रिमांड पर लिया गया है। टीम आरोपी सरकारी टीचर को जयपुर लेकर गई है।
आरोप है कि गोविंद तेतरवाल ने अपने 3 परिचित अभ्यर्थियों को पेपर पढ़ाकर लाखों रुपए लिए थे।

परिवार में 10 से ज्यादा सरकारी कर्मचारी

जानकारी के अनुसार- गोविंद तेतरवाल के परिवार में 10 से ज्यादा सरकारी कर्मचारी हैं। इसलिए उससे गहनता से पूछताछ की जाएगी।
वनरक्षक भर्ती परीक्षा 2020 पेपरलीक प्रकरण में अब तक गोविंद तेतरवाल समेत 35 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। SOG के एडिशनल एसपी भवानी शंकर के सुपरविजन में यह कार्रवाई की जा रही है।

मार्च से ड्यूटी पर नहीं लौटा आरोपी

वनरक्षक भर्ती परीक्षा 2020 पेपरलीक प्रकरण में एक के बाद एक गिरफ्तारी होने पर मार्च में गोविंद तेतरवाल कुछ दिन की छुट्टी लेकर चल गया था। लेकिन फिर वह ड्यूटी पर नहीं लौटा।
विभाग की ओर से लगातार गैर मौजूद रहने पर उसे नोटिस दिए गए, लेकिन उसकी तरफ से कोई जवाब नहीं आया। इसी के चलते उसका वेतन भी रोक दिया गया था।

SOG ने विभाग के अधिकारियों से जुटाई जानकारी

विभागीय सूत्रों के अनुसार- गोविंद तेतरवाल के बारे में छानबीन करने के लिए SOG की टीम ने वाणिज्यिक कर विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर जानकारी जुटाई थी।
जानकारी के मुताबिक गोविंद तेतरवाल 2018 में LDC के पद पर लगा था। तब से वह जोधपुर में कार्यरत था। सूत्रों के मुताबिक विभाग को उसके कई शराब ठेकेदारों और बजरी माफियाओं से संपर्क की सूचना मिली थी।

CID क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता, 8 साल से फरार 25,000 का इनामी संदीप बावरिया गिरफ्तार

चेन स्नेचिंग, हत्या का प्रयास, लूट, अवैध हथियार और चोरी के है कई मामले उत्तर प्रदेश के शामली जिले से पकड़ा, उदयपुर पुलिस को सौंपा

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 20 जून। सीआईडी क्राइम ब्रांच पुलिस मुख्यालय की टीम ने अंतर्राज्यीय अपराधों में संलिप्त एक बड़े गिरोह पर करारा प्रहार किया है। पुलिस ने चैन स्नेचिंग, लूटपाट, अवैध हथियार रखने, हत्या के प्रयास और चोरी व नकबजनी जैसी संगीन वारदातों को अंजाम देने वाली बावरिया गैंग के एक सक्रिय और कुख्यात सदस्य संदीप बावरिया को दबोच लिया है। यह शातिर अपराधी पिछले आठ सालों से पुलिस को चकमा दे रहा था और उसकी गिरफ्तारी पर 25,000 का इनाम घोषित था।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध श्री दिनेश एम.एन. के कड़े निर्देशों के तहत स्टेट क्राइम ब्रांच की टीम ने गैंगस्टरों और संगठित गिरोहों के खिलाफ एक विशेष अभियान छेड़ रखा है। इसी अभियान के तहत शुक्रवार को टीम को यह बड़ी सफलता हासिल हुई। शातिर इनामी बदमाश संदीप बावरिया पुत्र पवन उम्र 30 साल निवासी अलाउदीनपुर थाना झिंझाना जिला शामली, उत्तर प्रदेश उदयपुर में वर्ष 2017 में हुई दो चैन स्नेचिंग की वारदातों में मुख्य वांछित था। इन घटनाओं में बाइक सवार बदमाशों ने महिलाओं को बातों में उलझाकर दिनदहाड़े उनकी चेन लूट ली थी।

संदीप बावरिया सिर्फ राजस्थान ही नहीं बल्कि देश के अन्य राज्यों जैसे दिल्ली और उत्तर प्रदेश में भी अपने संगठित गिरोह के साथ मिलकर कई संगीन वारदातों को अंजाम देता था। उसके आपराधिक रिकॉर्ड में अवैध हथियार रखने, चैन स्नेचिंग, लूट, हत्या के प्रयास और चोरी जैसे जघन्य अपराध शामिल हैं। बावरिया गैंग की कार्यप्रणाली में पावर बाइकों का इस्तेमाल कर महिलाओं के गले से चेन तोड़ना शामिल है। यह अपराधी गत काफी समय से पुलिस को चकमा देकर लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था, जिससे उसकी गिरफ्तारी एक चुनौती बनी हुई थी।

इस जटिल अभियान को उपमहानिरीक्षक पुलिस अपराध श्री योगेश यादव के सुपरविजन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धांत शर्मा के समन्वय में अंजाम दिया गया। एएसआई श्री दुष्यंत सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम जिसमें हेड कांस्टेबल श्री शाहिद अली, कांस्टेबल श्री महेंद्र सिंह, श्री रविंद्र सिंह और श्री संजय शामिल थे को दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के लिए रवाना किया गया था। इस टीम ने अपनी पहचान गोपनीय रखते हुए कुख्यात गिरोह के बारे में महत्वपूर्ण खुफिया जानकारी जुटाई। अथक प्रयासों के बाद संदीप बावरिया को उसके पैतृक गांव अलाउदीनपुर से दस्तयाब किया गया और उसे अम्बामाता थाना पुलिस को सौंप दिया गया।

एडीजी श्री एमएन ने बताया कि संदीप बावरिया से गहन पूछताछ के बाद राजस्थान और अन्य राज्यों में हुई कई अनसुलझी चैन स्नेचिंग और लूट सहित दूसरी वारदातों का भी खुलासा हो सकता है। यह गिरफ्तारी बावरिया गैंग के नेटवर्क को तोड़ने और संगठित अपराधों पर लगाम लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस सफल कार्रवाई में शामिल पुलिस टीमः

इस संपूर्ण कार्रवाई में सीआईडी क्राइम ब्रांच के एएसआई दुष्यंत सिंह, हेड कांस्टेबल शाहिद अली, कांस्टेबल महेन्द्र सिंह, रविन्द्र सिंह व संजय की विशेष भूमिका रही। कार्रवाई के समय उत्तरप्रदेश पुलिस का सहयोग मिला जिसमें पुलिस चौकी अहमदगढ़ थाना झिंझाना से एसआई जितेन्द्र त्यागी, हैड कांस्टेबल योगेन्द्र सिंह व विकास कुमार व कांस्टेबल गुलफाम शामिल थे।

राजस्थान में पार्ट-टाइम जॉब के नाम हो रहा फ्रॉडः'लाइक्स' और 'रेटिंग' देने पर रुपए कमाने का झांस देते, मोटी कमाई का स्क्रीनशॉट भेजकर फंसाते

24 न्यूज अपडेट

राजस्थान में पार्ट टाइम जॉब के नाम पर ठगी का नया जाल फैलाया जा रहा है। सोशल मीडिया पर 'लाइक्स' और 'रेटिंग' देने का काम बताकर साइबर क्रिमिनल्स रुपए ऐंठ रहे हैं। लालच में फंसाने के लिए मोटी कमाई का फर्जी स्क्रीनशॉट भी शेयर किया जा रहा है। साइबर क्राइम ब्रांच की ओर से सतर्क रहने के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। एसपी (साइबर क्राइम) शांतनु कुमार ने बताया- साइबर क्रिमिनल लगातार अपनी कार्यप्रणाली बदल रहे हैं। अब वे लोगों को बिजनेस वेबसाइटों पर 'लाइक्स' और 'रेटिंग' देने के बदले आकर्षक पेमेंट का लालच दे रहे हैं। यह धोखाधड़ी बेहद सुनियोजित तरीके से की जाती है। शुरुआत में साइबर क्रिमिनल कॉल या सोशल मीडिया के जरिए लोगों से कॉन्टैक्ट करते हैं। उन्हें कुछ वेबसाइटों या पोस्टों को 'लाइक' या 'रेटिंग' देने के लिए कहते हैं।
शुरुआती टास्क के लिए वे तुरंत थोड़े पैसे का भुगतान करते हैं, जिससे पीड़ितों का विश्वास जीतना आसान हो जाता है। एक बार जब पीड़ित को लगने लगता है कि यह एक सही है तो क्रिमिनल उनसे उनकी यूपीआई आईडी, फोन नंबर जैसे व्यक्तिगत डिटेल मांगते हैं। उन्हें ऐसे सोशल मीडिया ग्रुप्स में शामिल करते हैं, जहां साइबर क्रिमिनल्स के अन्य सहयोगी भी मौजूद होते हैं। इन ग्रुप्स में क्रिमिनल के सहयोगी लगातार 'लाइक्स' और 'रेटिंग' से हुई मोटी कमाई के फर्जी स्क्रीनशॉट शेयर करते हैं। इससे दूसरों को भी ज्यादा पैसे कमाने का लालच आए।
जैसे ही पीड़ित 'लाइक्स' और 'रेटिंग' के अपने टास्क पूरे करते हैं और पेमेंट का दावा करते हैं। अपराधी उनसे कमीशन या टैक्स के नाम पर बड़ी रकम की मांग करना शुरू कर देते हैं। वे पीड़ितों को यह विश्वास दिलाते हैं कि एक बड़ी राशि इकट्ठा हो रही है, जिसे निकालने के लिए ये फीस जरुरी है। लालच में फंसे लोग लगातार पैसे देते रहते हैं, लेकिन उन्हें कभी भी अपनी मूल कमाई या दिए गए पैसे वापस नहीं मिलते।
इस प्रक्रिया में वे नहीं केवल अपनी मेहनत की कमाई गंवा देते हैं, बल्कि अपनी गोपनीय जानकारी भी साइबर अपराधियों के हाथ लग जाती है, जिसका दुरुपयोग किया जा सकता है।

राजस्थान पुलिस की सलाह

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 'रेटिंग' या 'लाइक्स' करने के लिए पैसे नहीं मिलते हैं। ऐसे किसी भी प्रलोभन से बचें। ऑनलाइन ग्रुप्स में दिखाए जा रहे कमाई के स्क्रीनशॉट पर आंख बंद करके भरोसा न करें। ये अक्सर धोखेबाजों के सहयोगी द्वारा डाले गए फर्जी प्रमाण होते हैं। यदि आप इस प्रकार की किसी घटना के शिकार होते हैं, तो तुरंत कार्रवाई करें। साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930, साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल https://cybercrime.gov.in पर या अपने निकटतम पुलिस स्टेशन/साइबर पुलिस स्टेशन में इसकी सूचना दें।

जयपुर में 1.50 करोड़ का डोडा-पोस्त पकड़ाःकंटेनर में भरकर ला रहे थे, हाईवे पर नाकाबंदी में पकड़ा

24 न्यूज अपडेट

एंट्री गैंगस्टर टास्क फोर्स (AGTF) ने जयपुर में 1.50 करोड़ रुपए कीमत का डोडा-पोस्त पकड़ा है। चाकसू पुलिस की मदद से हाईवे पर नाकाबंदी लगा डोडा-पोस्त से भरे कंटेनर को पकड़ा गया है।
एडीजी (क्राइम) दिनेश एमएन ने बताया- AGTF को सूचना मिली कि एक ट्रक कंटेनर में बड़ी मात्रा में डोडा-पोस्त भरकर जयपुर लाया जा रहा है। इंस्पेक्टर रामसिंह नाथावत के नेतृत्व में हेड कॉन्स्टेबल महेश सोमरा और महावीर सिंह ने चाकसू थाना पुलिस की मदद से हाईवे पर नाकाबंदी लगवाई।
चाकसू हाईवे पर नाकाबंदी के दौरान बताए संदिग्ध कंटेनर को रोका गया। कंटेनर की तलाशी में डोडा-पोस्त भरा मिला। पुलिस की मदद से डोडा-पोस्त से भरा कंटेनर जब्त किया गया। कंटेनर में करीब एक हजार किलो डोडा-पोस्त भरा मिला है। पकड़े गए डोडा-पोस्त की मार्केट में करीब 1.50 करोड़ रुपए कीमत आंकी गई है।

भगत की कोठी-जम्मूतवी एक्सप्रेस का मार्ग बदलाः18 ट्रिप में नहीं रुकेगी 6 स्टेशनों पर; फिरोजपुर मंडल में तकनीकी कार्यों के चलते फैसला

24 न्यूज अपडेट

उत्तर रेलवे के फिरोजपुर मंडल में तकनीकी कार्य के चलते भगत की कोठी-जम्मूतवी एक्सप्रेस का मार्ग अस्थायी रूप से बदल दिया गया है। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि सानेहवाल-अमृतसर रेलखंड के जंडियाला स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग ब्लॉक के कारण यह परिवर्तन किया गया है।
ट्रेन संख्या 19225/19226 भगत की कोठी-जम्मूतवी-भगत की कोठी एक्सप्रेस 26 जून से 13 जुलाई तक कुल 18 ट्रिप में अपने निर्धारित मार्ग जालंधर शहर-अमृतसर-पठानकोट की जगह जालंधर शहर-मुकेरिया-पठानकोट के रास्ते चलेगी।
इस दौरान ट्रेन ब्यास, अमृतसर, वेरका, बटाला, धारीवाल और गुरदासपुर स्टेशनों पर नहीं रुकेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि वे इस मार्ग परिवर्तन को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

बागीदौरा विधायक को फंसाने का आरोप, सांसद राजकुमार रोत बोले- जनता ने उपचुनाव में दे दिया जवाब

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बांसवाड़ा जिले के बागीदौरा विधायक जयकृष्ण पटेल के खिलाफ रिश्वत मामले में बड़ा मोड़ आया है। भारत आदिवासी पार्टी (BAP) के सांसद राजकुमार रोत ने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी की आंतरिक जांच में सामने आया है कि विधायक को षड्यंत्रपूर्वक फंसाया गया था। शुक्रवार को उदयपुर में उदयपुर विकास प्राधिकरण (UDA) के सीमा विस्तार के विरोध में हुए प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे सांसद रोत ने मीडिया से बातचीत में ये आरोप लगाए। सत्ताधारी पार्टी के प्रत्याशी पर इशारा सांसद रोत ने बिना नाम लिए कहा कि सत्ताधारी पार्टी का एक विधायक प्रत्याशी इस षड्यंत्र में शामिल था। उन्होंने सवाल उठाया कि कोई सत्ताधारी प्रत्याशी क्षेत्रीय पार्टी के विधायक को रिश्वत देने की कोशिश क्यों करेगा? यह सब एक सोची-समझी साजिश थी, जिसका जवाब जनता ने बागीदौरा उपचुनाव में भाजपा को हराकर दे दिया।

पहली बार किसी विधायक को ट्रैप करने का मामला

सांसद रोत ने कहा कि 1952 से अब तक राजस्थान में करीब 3000 विधायक बने होंगे, लेकिन ये पहला मौका है जब किसी विधायक को ट्रैप किया गया। मामले में हमारी टीम ने जांच की तो सामने आया कि सामने वाले व्यक्ति ने विधायक को 40 से 42 बार फोन कर दबाव बनाया।

उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत पर भी तीखा हमला

राजकुमार रोत ने उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत पर भी तीखा हमला बोला। कहा कि वे आदिवासी नहीं हैं और न ही उनमें मानवता है। रोत ने पुराने वायरल ऑडियो का हवाला देते हुए कहा कि रावत ने एक भाजपा कार्यकर्ता को आदिवासी बस्तियों में आग लगाने और लाठी मारने की बात कही थी। भील प्रदेश मुक्ति मोर्चा के बैनर तले हुए प्रदर्शन में रोत ने कहा कि UDA का आदिवासी इलाकों में असंवैधानिक विस्तार किया जा रहा है। जो आदिवासी समुदाय 50-100 वर्षों से वहां बसा हुआ है, उनकी जमीनें विकास के नाम पर छीनी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 243C के तहत शेड्यूल एरिया में नगर निगम, नगरपालिका जैसी संस्थाएं असंवैधानिक हैं, फिर भी सरकारें आदिवासियों की जमीनें हड़पने में लगी हैं। रोत ने कहा कि 70 नए गांवों को यूडीए में शामिल करना अनुचित है। अगर कोई कब्जा पहले से है, तो आदिवासियों को उनका मालिकाना हक मिलना चाहिए। सांसद रोत ने राजस्थान SI भर्ती परीक्षा मामले में भी मुख्यमंत्री से बयान जारी करने की मांग की। कहा कि गरीब परिवारों के बच्चों ने मेहनत की, उनके साथ अन्याय हुआ है। पिछली सरकार को कोसने वाली मौजूदा सरकार को बताना चाहिए कि वह इस मुद्दे पर क्या कर रही है।

“नमस्कार से पाप नष्ट और पुण्य की होती है वर्षा : जैनाचार्य रत्नसेन सूरीश्वर महाराज”

हिरणमगरी सेक्टर 4 में धर्मसभा, पूजन और आगामी चातुर्मास की तैयारियाँ शुरू

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 20 जून। श्री शांतिनाथ जैन संघ, हिरणमगरी सेक्टर 4 के जिनालय में आयोजित धर्मसभा में जैनाचार्य श्रीमद् विजय रत्नसेन सूरीश्वर महाराज ने कहा कि 'नमस्कार से बढ़कर कोई पुण्य नहीं'। उन्होंने कहा कि संसार में पुण्य अर्जन के अनेक साधन हैं, परंतु अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय और साधुओं को किया गया नमस्कार आत्मा को पापों से मुक्त कर आत्मोन्नति की ओर ले जाता है। धर्मसभा में कहा कि "जैसे दीप जलते ही अंधकार मिट जाता है, वैसे ही पंच परमेष्ठियों को नमस्कार करने से भीतर का अज्ञान, पाप व अवरोध नष्ट होते हैं।" उन्होंने शास्त्रों के आधार पर पुण्य अर्जन के नौ प्रकार बताए – जिसमें अन्नदान, जलदान, वस्त्रदान, आसनदान, शयंदान, शुभ विचार, सही वचन, परोपकार और नमस्कार प्रमुख हैं। चातुर्मास में होंगे 45 आगम तप संघ के कोषाध्यक्ष राजेश जावरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि मालदास स्ट्रीट पेढ़ी में चातुर्मास के दौरान कुल 45 आगम तप आयोजित किए जाएंगे, जिनमें 39 एकासन और 3 आयंबिल तप सम्मिलित हैं। इच्छुक श्रद्धालु अपनी प्रविष्टि मालदास स्ट्रीट पेढ़ी में दर्ज करा सकते हैं। कार्यक्रम में श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक जिनालय समिति के अध्यक्ष सुशील बांठिया, महामंत्री अशोक नागोरी, कोषाध्यक्ष ईश्वर मेहता, उपाध्यक्ष उत्सव लाल जगावत, सहित प्रकाश नागोरी, चन्द्र सिंह बोल्या, अनिल भण्डारी, गौतम गांधी व अन्य कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे।

उदयपुर-जोधपुर के 1150 रेजिडेंट डॉक्टर्स हड़ताल पर, चिकित्सा व्यवस्था चरमराई, दो डॉक्टरों की मौत के बाद फूटा आक्रोश

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर/जोधपुर। राजस्थान के प्रमुख मेडिकल कॉलेजों उदयपुर के आरएनटी और जोधपुर के एसएन मेडिकल कॉलेज में रेजिडेंट डॉक्टर्स की हड़ताल से चिकित्सा सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। दोनों शहरों में करीब 1150 डॉक्टर हड़ताल पर चले गए हैं, जिससे ओपीडी और ऑपरेशन सेवाओं पर भारी असर पड़ा है।

उदयपुरः डॉक्टर को करंट लगने से मौत के बाद हड़ताल उदयपुर के रवींद्रनाथ टैगोर मेडिकल कॉलेज में बुधवार देर रात डॉक्टर रवि शर्मा की करंट लगने से मौत हो गई थी। डॉ. रवि हॉस्टल के कॉरिडोर में वाटर कूलर से पानी भर रहे थे, तभी हादसा हुआ। इसके विरोध में 600 रेजिडेंट डॉक्टर गुरुवार से हड़ताल पर हैं, जो शुक्रवार को भी जारी रही। डॉक्टर्स ने कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. विपिन माथुर के इस्तीफे की मांग की है और उनका आरोप है कि कॉलेज प्रबंधन की लापरवाही के चलते यह हादसा हुआ। आज डाक्टरों ने अस्पताल के बाहर सद्बुद्धि यज्ञ भी किया। उदयपुर के एमबी हॉस्पिटल सहित जनाना, बाल चिकित्सालय, टीबी हॉस्पिटल व सैटेलाइट हॉस्पिटल में भी हड़ताल का व्यापक असर देखा गया। ओपीडी में मरीजों को 2-3 घंटे तक लाइन में लगने के बावजूद नंबर नहीं मिल पाया। प्रशासन ने 150 फैकल्टी सदस्यों की ड्यूटी लगाई है, लेकिन भारी भीड़ के आगे व्यवस्था चरमराई हुई है।

सात दिन पहले डॉक्टर की आत्महत्या, अब 550 रेजिडेंट हड़ताल पर

जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल में डॉ. राकेश बिश्नोई की आत्महत्या के मामले ने भी तूल पकड़ लिया है। उनकी मौत के सात दिन बाद अब रेजिडेंट डॉक्टर्स ने इमरजेंसी सेवाओं को छोड़कर सभी विभागों में कार्य बहिष्कार कर दिया है। यहां 550 डॉक्टर्स ने हड़ताल शुरू कर दी है। डॉक्टर्स ने इस घटना की निष्पक्ष जांच और जवाबदेही तय करने की मांग की है। एसएन मेडिकल कॉलेज प्रशासन का कहना है कि वैकल्पिक व्यवस्था से इमरजेंसी सेवाएं जारी हैं।

कोटा में भी विरोध, काली पट्टी बांध किया समर्थन

कोटा मेडिकल कॉलेज के रेजिडेंट डॉक्टर्स ने दोनों मामलों पर विरोध जताते हुए काली पट्टी बांधकर ड्यूटी की। एमबीएस, जेकेलोन, एसएसबी, न्यू मेडिकल कॉलेज और रामपुरा हॉस्पिटल के 600 रेजिडेंट्स ने हिस्सा लिया।

कैट वीमेन विंग ने “योग है तो निरोग” कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया

योग दिवस पर आसन, प्राणायाम और ध्यान से मिला मानसिक शांति व स्वास्थ्य का संदेश

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 20 जून। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर कैट विमेन विंग उदयपुर की ओर से "योग है तो निरोग" शीर्षक से एक भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन अशोका ग्रीन, उदयपुर में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को योग, ध्यान और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। मुख्य अतिथि डॉ. दक्षिता गग्गर (डायरेक्टर, कॉसमोडेंट) और अध्यक्षता शीतल गुप्ता (संस्थापक, बेला 21 बुटीक) ने की। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. स्वीटी छाबड़ा, फील्ड क्लब की एक्जीक्यूटिव सदस्य ध्रुवी नलवाया, कविता कुमावत और अशोका ग्रीन के डायरेक्टर मुकेश माधवानी उपस्थित रहे। कैट विमेन विंग अध्यक्ष विजयलक्ष्मी गलुंडिया ने बताया कि कार्यक्रम में डायनामिक योग निदेशक गुनीत मोंगा के मार्गदर्शन में ऋचा तलरेजा एवं अमीषा परिजनों द्वारा मंत्र योग का अभ्यास करवाया गया, जिससे मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। गुनीत मोंगा ने दैनिक जीवन में योग को शामिल करने के उपयोगी सुझाव भी साझा किए। प्राणायाम सत्र का संचालन नवल योग संस्थान की निदेशक डॉ. मीना बाबेल ने किया, जिसमें भस्त्रिका, कपालभाति और अनुलोम-विलोम के अभ्यास द्वारा चित्त की शुद्धि और स्वास्थ्य लाभ पर बल दिया गया। वहीं, ब्लिस योगा स्टूडियो की निदेशक नेहा शर्मा ने भुजंगासन, ताड़ासन, मकरासन, शलभासन, धनुरासन और शवासन का अभ्यास करवाया, जिससे प्रतिभागियों ने तनावमुक्ति और संपूर्ण शारीरिक संतुलन का अनुभव किया। मेडिटेशन गुरु जसप्रीत कौर ने श्रीकृष्ण वृंदावन ध्यान का अभ्यास करवाया, जिसने उपस्थितजनों को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। कैट विमेन विंग की सचिव डॉ. सोनू जैन ने बताया कि इस अवसर पर योग एवं ध्यान जगत के विशिष्ट गुरुओं का सम्मान किया गया। सम्मानित व्यक्तित्वों में शामिल रहेः डॉ. स्वीटी छाबड़ा (साउंड व प्राणिक हीलर) गुनीत मोंगा (डायनामिक योग निदेशक) डॉ. मीना बाबेल (नवल योग संस्थान निदेशक) नेहा शर्मा (ब्लिस योगा स्टूडियो निदेशक) नेहा भटनागर (काया पलट निदेशक) कविता जैन (हेल्थ व वेलनेस कोच) रेखा सोनी (आरोग्य वर्ल्ड ऑफ वेलनेस) शर्मिला रामूका (योग प्रशिक्षिका) मीनाक्षी भटनागर (न्यूमेरोलॉजिस्ट), इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया और योग, प्राणायाम एवं ध्यान के माध्यम से मानसिक शांति और ऊर्जा का अनुभव किया। कार्यक्रम के अंत में हाल ही में हुए एयर हादसे में दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

सुखाड़िया विश्वविद्यालय : आर्ट्स कॉलेज के टॉयलेट्स बदहाल, प्लास्टर गिरने से बड़ा हादसा टला, इलेक्ट्रिक रिक्शे भी कबाड़ में

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय (आर्ट्स कॉलेज) की बदहाल व्यवस्थाओं का एक और मामला सामने आया है। शनिवार सुबह अंग्रेजी विभाग की लैब के पास बने वॉशरूम की छत का हिस्सा गिर गया, जिससे बड़ा हादसा होते-होते टल गया। गनीमत यह रही कि इस समय विश्वविद्यालय में ग्रीष्मावकाश के चलते छात्र उपस्थिति नहीं थी, अन्यथा कोई बड़ा अनहोनी हो सकती थी। छात्रों और कर्मचारियों का कहना है कि इस वॉशरूम की हालत लंबे समय से खराब है। मार्बल की स्लैबें टूटी हुई हैं और पूरी छत झरझर अवस्था में है। कई बार अधिष्ठाता और महाविद्यालय प्रशासन से इसकी मरम्मत के लिए आग्रह किया गया, मगर अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। पर्यावरण सुरक्षा के नाम पर इलेक्ट्रिक रिक्शे कबाड़ में इसके साथ ही परिसर में पर्यावरण संरक्षण के नाम पर लाखों रुपये खर्च कर लाए गए इलेक्ट्रिक रिक्शे भी बेकार पड़े हैं। कभी परिसर को प्रदूषण मुक्त करने के उद्देश्य से शुरू की गई यह योजना आज बदहाल हो चुकी है। सभी रिक्शे विश्वविद्यालय सभागार के पीछे कचरे में फेंके हुए नजर आ रहे हैं। छात्रों और कर्मचारियों का कहना है कि इस योजना की शुरुआत के समय तस्वीरें खिंचवाकर रिपोर्ट भेजी गई और प्रचार किया गया कि परिसर प्रदूषण मुक्त बन गया है। लेकिन आज स्थिति जस की तस है। संबंधित विभागों की लापरवाही से सरकारी पैसों के दुरुपयोग और छात्रों की सुरक्षा से खिलवाड़ का आरोप लगाते हुए विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मांग की है कि खराब वॉशरूम की तत्काल मरम्मत की जाए। इलेक्ट्रिक रिक्शों को पुनः चालू कर परिसर में परिचालन सुनिश्चित किया जाए। जिन अधिकारियों की लापरवाही से ये हालात बने, उन पर जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाए। परिसर की स्वच्छता और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए।

राजस्व अर्जन में ऐतिहासिक उपलब्धिः खान विभाग ने ढाई माह में कमाए 1670 करोड़, एआई से होगी खनिज खोज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 20 जून। राजस्थान में खान एवं भूविज्ञान विभाग ने चालू वित्तीय वर्ष के पहले ढाई महीनों में 1670 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड राजस्व अर्जित कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह इस अवधि का अब तक का सर्वाधिक राजस्व है। विभाग के प्रमुख सचिव श्री टी. रविकान्त ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि को विभागीय टीम की प्रतिबद्धता का परिणाम बताया और राजस्व वृद्धि के लिए समन्वित रणनीति के तहत कार्य करने के निर्देश दिए। सभी प्रक्रियाएं होंगी ऑनलाइन, पारदर्शिता व दक्षता बढ़ेगी खनिज भवन, उदयपुर में आयोजित हाईब्रिड बैठक में प्रमुख सचिव श्री रविकान्त ने बताया कि माइनिंग प्लान, लीज इन्फॉर्मेशन, डिमांड सिस्टम सहित सभी प्रक्रियाओं को पूरी तरह ऑनलाइन किया जा रहा है। इससे समय, धन और प्रयासों की बचत होगी तथा खनिज धारकों को अनावश्यक विभागीय कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। खनिज खोज में एआई तकनीक का पायलट प्रोजेक्ट श्री रविकान्त ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में खनिज खोज के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और मशीन लर्निंग तकनीकों का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। इसके विश्लेषण के बाद इसे पूरे प्रदेश में लागू करने की योजना है, जिससे खनिज अन्वेषण अधिक सटीक और व्यापक हो सकेगा।

खनिज ब्लॉकों की डेलिनियेशन व ऑक्शन में तेजी

प्रमुख सचिव ने माइनिंग व जियोलॉजी विंग के बेहतर समन्वय पर जोर देते हुए कहा कि अधिक से अधिक माइनर व मेजर मिनरल ब्लॉकों का डेलिनियेशन कर उन्हें नीलामी के लिए तैयार किया जाए। इससे राजस्व, निवेश और रोजगार में वृद्धि होगी, साथ ही अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण भी सुनिश्चित किया जा सकेगा। डीएमएफटी से आमजन को लाभ डीएमएफटी (District Mineral Foundation Trust) को अधिक व्यावहारिक बनाते हुए उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला-बाल विकास और कौशल प्रशिक्षण जैसे कार्यों को प्राथमिकता देकर खनन प्रभावित क्षेत्रों में आमजन तक प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाया जाए। बकाया वसूली के सख्त निर्देश राज्य के निदेशक माइंस श्री दीपक तंवर ने बैठक में सुझाव दिया कि अधीक्षण खनिज अभियंता स्तर पर राजस्व वसूली, डेलिनियेशन, प्लॉट ऑक्शन, रॉयल्टी व ठेकेदार अनुबंधों की नियतकालीन समीक्षा अनिवार्य हो। उन्होंने कहा कि जैसे ही किसी खनिधारक पर बकाया देय होता है, तुरंत नोटिस जारी कर वसूली सुनिश्चित की जाए।

राजस्व लक्ष्य को हर माह करें सुनिश्चित

श्री तंवर ने फील्ड अधिकारियों से कहा कि वित्तीय वर्ष के अंतिम माह की बजाय हर माह राजस्व लक्ष्य के अनुसार वसूली होनी चाहिए ताकि समय रहते वार्षिक लक्ष्य पूर्ण किया जा सके। न्यायिक व प्रशासनिक लंबित मामलों के जल्द निपटारे के निर्देश बैठक में न्यायालयों में लंबित मामलों, विधानसभा व शासन स्तर से प्राप्त पत्रों और अभाव अभियोगों के निर्धारित समय सीमा में निपटारे के निर्देश दिए गए। इस बैठक में संयुक्त सचिव श्रीमती आशु चौधरी, ओएसडी श्री श्रीकृष्ण शर्मा, एसजी श्री सुनील वर्मा, जेएलआर श्री गजेन्द्र सिंह, विभाग के अतिरिक्त निदेशक, अधीक्षण खनिज अभियंता, एमई-एएमई, तथा अधीक्षण भूवैज्ञानिक सहित विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

संदिग्ध मौत पर गरमाया मामला, परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया, पुलिस पर लापरवाही के भी आरोप

24 न्यूज अपडेट

प्रतापगढ़/मंदसौर. मध्यप्रदेश के काचरिया चंद्रावत गांव निवासी युवक प्रकाशचंद बावरी की राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले की छोटीसादड़ी में हुई संदिग्ध मौत को लेकर शुक्रवार को स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश फूट पड़ा। मृतक के परिजनों ने इसे सुनियोजित हत्या बताते हुए अंबेडकर सर्किल पर विरोध प्रदर्शन किया और पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर निष्पक्ष जांच की मांग की।

“गड्ढे में गिरने से मौत” को परिजन मान रहे हैं हत्या

प्रकाशचंद बावरी 11 जून को घर से यह कहकर निकला था कि वह पिपलियामंडी जा रहा है। उसी दिन उसके मोबाइल पर किसी अज्ञात व्यक्ति के धमकी भरे कॉल आए थे। रात करीब दो बजे परिवार को सूचना मिली कि वह गड्ढे में गिर गया और उसकी मौत हो गई। प्रकाश के साले जसवंत ने परिजनों को घटना की सूचना दी, लेकिन परिवार का आरोप है कि यह एक साजिश के तहत की गई हत्या है, जिसे दुर्घटना का रूप दिया जा रहा है। उनका कहना है कि पुलिस ने अब तक इस दिशा में गंभीरता नहीं दिखाई और किसी संदिग्ध व्यक्ति से पूछताछ तक नहीं की है।

पुलिस पर लापरवाही का आरोप, प्रदर्शनकारियों ने सौंपी मांगों की सूची

शुक्रवार को दोपहर 1 बजे के आसपास मृतक के परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में अंबेडकर सर्किल पर एकत्र हुए। किसान नेता श्यामलाल जोकचंद के नेतृत्व में उन्होंने वहां से रैली निकाली और जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए कहा कि अब तक की कार्रवाई बेहद ढीली है। उन्होंने ज्ञापन सौंपकर मांग की कि प्रकाशचंद की मौत की निष्पक्ष जांच की जाए और यदि यह हत्या है तो दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर सख्त सजा दी जाए।

“अब चुप नहीं बैठेंगे” ग्रामीणों की चेतावनी

गांव वालों का कहना है कि यदि प्रशासन ने जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाया तो वे आगे और बड़ा आंदोलन करेंगे। आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी कि यह सिर्फ शुरुआत है, अगर पुलिस ने लापरवाही बंद नहीं की और जांच में पारदर्शिता नहीं दिखाई तो उग्र आंदोलन होगा। छोटीसादड़ी थाना पुलिस का कहना है कि मामले की प्रारंभिक जांच में मौत दुर्घटना प्रतीत हो रही है, लेकिन परिजनों के आरोपों को देखते हुए अब पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस ने कहा कि सभी कोणों से जांच की जाएगी और जरूरत पड़ी तो संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ भी होगी।

24 न्यूज अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा।